

SHRI M. PIYONGTEMJEN JAMIR

Shri M. Piyongtemjen Jamir is the Principal of Rashtra Bhasha Hindi Training Institute, which is a branch of Rashtra Bhasha Prachaar Samiti Wardha, Maharashtra.

2. Born on June 10, 1934 at Longsa Village under Mokokchung District of Nagaland, Shri Jamir did his schooling from the village Government School upto class VI only, because his love and desire to learn Hindi language was burning so strong inside him. He left everything and sacrificed his life for Hindi. He is the first Graduate and B.Ed. Degree holder in Hindi among the Nagas. He joined the Government Job as a Hindi Teacher at GHS Chisor under Tuensang District in January, in the year 1970 and was soon promoted to the rank of Instructor at CHTTI Dimapur (Central Hindi Teachers Training Institute) in the year 1976. He served in the rank till 1982, but being unsatisfied with it, he retired. Then the desire to spread Hindi all over Nagaland inspired Shri Jamir to open branches of Hindi Training Institute in and around Nagaland. Hindi Training Branches were setup almost all of Nagaland. Many of which, are now registered and running independently.

3. During this time Shri Jamir published two Hindi Booklets namely Hamari Hindi I & II in Hindi-Ao-English. He even tried composing Hindi songs to motivate the students. Shri Jamir served Hindi as member of RB Prachaar samiti, Wardha. MG International Hindi University Camp, Wardha. Hum Jalist Hum Bharatiya, and World Hindi Samiti. Shri Jamir was the founder President of Vidya Bharati Jan Jati Shiksha Samiti, of North Eastern India and Chairman of Nagri Lipi Parishad Nagaland. He was the Member of Advisory Board for the development of flinch in North East India under the Ministry of Human Resource Development, Government of India for a term of three years from 2012 onwards.

4. Shri Jamir has been the first from the North East to attend the World Hindi Conference from India in the 7th World Hindi Conference in Surinam (South America) in 2003. And also attended the 9th World Hindi conference held at Johannesburg, South Africa in 2012 where he was felicitated for his contribution in the field of Hindi.

5. Shri Jamir has received various honours and awards including Bhaurao Devras Seva Samman Award in 2005 in Lucknow; the "Vir Jadonang award" at the hands of the then Governor of Nagaland in 2005; District Teachers award in 2006 in Dimapur, Nagaland; felicitated by the CSOM (Children Special Oriented Ministry) in 2006; Gangashanan Singh Awards in 2006 by His Excellency Dr. A. P. J. Abdual Kalam, the then President of India in New Delhi; the "Indira Gandhi National Unity" in 2007 at the state capital, Kohima; "One India Award" by the Mumbai based NGO 'My HomeIndia' in 2010; the "Jewel of North East Award" at Delhi by the Friendship in 2014 etc.



श्री एम. पियोंग्तम्जन जमीर

श्री एम. पियोंग्तम्जन जमीर राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा, महाराष्ट्र की एक शाखा राष्ट्र भाषा हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल हैं।

2. आपका जन्म 10 जून, 1934 को नागालैण्ड के मोकोकचुंग जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम लोंगसा में हुआ। आपने हिंदी भाषा के प्रति प्रगाढ़ प्रेम एवं हिंदी सीखने की ज्वलंत इच्छाशक्ति के कारण अपनी कक्षा 6 की प्रारंभिक शिक्षा गांव के राजकीय विद्यालय से प्राप्त की। आपने हिंदी के प्रति मोह के कारण सर्वस्व त्याग दिया तथा इसकी सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया। आपको नागा लोगों में स्नातक तथा बी. एड की डिग्री प्राप्त करने वाले प्रथम व्यक्ति होने का गौरव प्राप्त है। आपने जनवरी, 1970 में यूनसांग जिले के अंतर्गत आने वाले राजकीय उच्च विद्यालय चिसौर में हिंदी अध्यापक के रूप में सरकारी सेवा को ज्वाइन किया तथा शीघ्र ही आपको वर्ष 1976 में सी एच टी टी आई, दीमापुर (केन्द्रीय हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान) में अनुदेशक के पद पर पदोन्नत कर दिया गया। आपने वर्ष 1982 तक अनुदेशक के पद पर कार्य किया किंतु अपने कार्य से संतुष्ट न होने की वजह से आपने सेवानिवृत्ति ले ली। इसके उपरांत पूरे नागालैण्ड में हिंदी का प्रचार-प्रसार करने की इच्छा के कारण आपको नागालैण्ड तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों में हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की शाखा खोलने के लिए प्रेरणा प्राप्त हुई। इसके फलस्वरूप लगभग संपूर्ण नागालैण्ड में हिंदी प्रशिक्षण शाखाएं स्थापित की गई जिनमें से अधिकांश अब पंजीकृत हैं तथा स्वायत्त रूप से कार्य कर रही हैं।

3. इसी दौरान आपने हमारी हिंदी । एवं ।। नामक पत्रिकाओं का हिंदी तथा अंग्रेजी में प्रकाशन किया। आपने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए हिंदी गीतों की रचना करने का भी प्रयास किया। आपने आर. बी प्रचार समिति वर्धा, एम जी इंटरनेशनल हिंदी यूनिवर्सिटी कैम्प वर्धा, हम जलिस्त हम भारतीय तथा विश्व हिंदी समिति के सदस्य के रूप में हिंदी की अनवरत सेवा की है । आप पूर्वोत्तर भारत की विद्या भारती जनजाति शिक्षा समिति के संस्थापक अध्यक्ष तथा नागरी लिपि परिषद नागालैंड के अध्यक्ष रहे हैं। आप वर्ष 2012 से तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन पूर्वोत्तर भारत में फ्लिंच के विकास के लिए गठित परामर्शी बोर्ड के सदस्य रहे हैं।

4. आपको सूरीनाम (दक्षिणी अमेरिका) में वर्ष 2013 में आयोजित 7वें विश्व हिंदी सम्मेलन में पूर्वोत्तर भारत की ओर से भाग लेने वाले प्रथम व्यक्ति होने का गौरव प्राप्त है। आपने वर्ष 2012 में जोहांसबर्ग, दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित 9वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भी भाग लिया जहां आपको हिंदी के क्षेत्र में आपके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

5. आपको अनेक सम्मानों एवं पुरस्कारों से विभूषित किया गया है जिनमें लखनऊ में वर्ष 2005 में प्रदत्त भाऊराॅव देवरस सेवा सम्मान; वर्ष 2005 में नागालैण्ड के तत्कालीन राज्यपाल द्वारा प्रदत्त "वीर जादूनांग अवार्ड"; दीमापुर, नागालैण्ड में वर्ष 2006 में दिया गया डिस्ट्रिक्ट टीचर अवार्ड; वर्ष 2006 में सी एस ओ एम (चिल्ड्रन स्पेशल ओरिएंटिड मिनिस्ट्री) द्वारा दिया गया सम्मान; वर्ष 2006 में महामहिम राष्ट्रपति डा. ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा दिल्ली में दिया गया गंगाशनान सिंह अवार्ड; वर्ष 2007 में राज्य की राजधानी कोहिमा में दिया गया "इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता "पुरस्कार"; वर्ष 2010 में मुंबई स्थित स्वयंसेवी संगठन 'माई होम इंडिया द्वारा प्रदत्त "वन इंडिया अवार्ड"; फ्रेंडश द्वारा वर्ष 2014 में दिल्ली में दिया गया "ज्यूल ऑफ नॉर्थ ईस्ट अवार्ड " शामिल हैं।